बुधवार
30 जुलाई 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 174
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com   Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

ट्रक व ट्राला की टक्कर में दो की मौत, एक गम्भीर

हमारे संवाददाता

देहरादून। ट्रक व ट्राला की जोरदार टक्कर के बाद जहां दोनो वाहनों के चालकों की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं एक व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस, एसडीआरएफ व फायर कर्मियों ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाया और दोनो शवों को कब्जे में लेकर घायल को अस्पताल पहुंचाया गया।

मामला ऋषिकेश आरटीओ आफिस के समीप का है। जानकारी के अनुसार बीती देर रात लगभग 2 बजे यह घटना घटित हुई है। बताया जा रहा है कि ऋषिकेश के आरटीओ ऑफिस के पास एक बोरिंग करने वाले ट्रक तथा एक ट्रोला वाहन की आपस में टक्कर हो गई। इस टक्कर की वजह से ट्रोला में आग लग गई, जिससे ट्रक के वाहन चालक की घटना स्थल पर ही आग में जलने से मौत हो गयी। वहीं बोरिंग मशीन वाले ट्रक के चालक की भी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलने पर एसडीआरएफ पोस्ट ढालवाला ऋषिकेश की टीम घटनास्थल पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया है। जिसके बाद ट्रक पर मौजूद एक अन्य व्यक्ति को एसडीआरएफ व पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद घायल अवस्था में रेस्क्यू कर अस्पताल भिजवाया गया है। वहीं फायर सर्विस द्वारा ट्रोले में लगी आग को नियंत्रित किया गया। एसडीआरएफ की टीम ने दोनों वाहन चालकों के शवों को बाहर निकाल कर उन्हे जिला पुलिस को सौंप दिया है।

पत्नी की हत्या कर भागा पति

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। घरेलू विवाद के चलते देर रात एक पति ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आरोपी पति की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मामला झूलाघाट क्षेत्र के कानड़ी गांव का है। यहां देर रात एक युवक ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। मृतका की पहचान नेपाल निवासी 23 वर्षीय कमला चंद के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पति-पत्नी के बीच

घरेलू विवाद चल रहा था। देर रात करीब 9 बजे दोनों के बीच कहासुनी के बाद आरोपी पति ने गुस्से में आकर महिला की गर्दन पर धारदार हथियार से वार कर दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घर के एक कमरे में महिला का खून से लथपथ शव बरामद किया गया। झूलाघाट थाना प्रभारी दिनेश चंद्र विष्ट के अनुसार, मृतका मूल रूप से नेपाल के जरगांव की रहने वाली थी और उसकी शादी कानड़ी गांव में हुई थी।

सीओ गोविंद बल्लभ जोशी ने बताया कि आरोपी की पहचान की जा चुकी है और उसे हिरासत में लेने की कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल हत्या के पीछे के कारणों की गहन जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद की बात सामने आ रही है। मृतका के परिजनों को, जो नैनीताल में रहते हैं, घटना की जानकारी दे दी गई है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं आरोपी पति की तलाश शुरू कर दी गयी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

पंचायत चुनावः तार-तार लोकतंत्र

उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और कल चुनाव के नतीजे भी आ जाएंगे। लेकिन इस चुनाव की पूरी प्रक्रिया के दौरान जिस तरह का अजब गजब खेल तमाशा हुआ है वह हैरान करने वाला है। हाईकोर्ट में गई तमाम शिकायतों के बीच भले ही चुनाव पर रोक न लगाई गई हो लेकिन अदालत द्वारा इस बात के साफ निर्देश चुनाव आयोग को दिए गए थे कि चुनाव पंचायती राज एक्ट के अनुसार ही होने चाहिए लेकिन क्या इन चुनावों को एक्ट के अनुरूप कराया गया? इस सवाल का जवाब साफ है नहीं। एक्ट की धाराओं के अनुसार कोई ऐसा व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ सकता है न ही वोट डाल सकता है जिसका नाम गांव और शहर दोनों की मतदाता सूची में दर्ज होगा। लेकिन पंचायती एक्ट की इन धाराओं का खुला उल्लंघन इस चुनाव में किया गया है सैकड़ों की संख्या में ऐसे प्रत्याशी चुनाव लड़ने में सफल रहे हैं जिनके नाम दो-दो मतदाता सूचियां में दर्ज हैं दर्जनों प्रत्याशी तो ऐसे हैं जो निर्विरोध ही चुने जा चुके हैं। क्या यह कोर्ट के आदेशों की अवमानना नहीं है और अपराध की श्रेणी में आने वाला यह मामला बड़ी संख्या में प्रत्याशियों के गलत तरीके से चुना जाना नहीं है। अगर चुनाव आयोग ने ऐसे प्रत्याशियों को चुनाव लड़ने से नहीं रोका गया है तो कोर्ट चुनाव आयोग और उन रिटर्निंग अधिकारियों के खिलाफ क्या कार्यवाही करेगा यह देखने योग्य रहेगा। वही इन दो दो मतदाता सूचियों में नाम वाले प्रत्याशियों को कोर्ट सिर्फ अयोग्य प्रत्याशी मानकर उनके चुनाव को रद्द करेगा या उन्हें जेल भी भेज सकता है यह चुनाव परिणाम के बाद ही तय होने वाला है। हर बार की तरह चुनाव जीतने के लिए प्रत्याशियों ने किस-किस तरह के हथकंडे इस चुनाव में अपनाये हैं यह बात भी किसी से नहीं छिपी है। मतदाताओं को जमकर शराब पिलाने व मीट-भात खिलाने से लेकर प्रवासियों और बाहर के लोगों को भी वोट डालने के लिए जाने की खबरें इन दिनों खूब सुर्खियों में है। दिल्ली और चंडीगढ़ से लेकर मुंबई तक से प्रवासियों को आने-जाने के लिए कारें उपलब्ध कराने से लेकर उन्हें महंगे उपहार और उनकी भरपूर सेवा किए जाने का सच भी सोशल मीडिया पर खूब चर्चाओं में है। इन प्रवासी वोटरो ने जिनके नाम शहर व गांव दोनों ही मतदाता सूचियों में है उन्होंने पूरे पहाड़ के गांवों के लोगों के लिए खास तौर से प्रत्याशियों के लिए सारे समीकरणों और मेहनत को उलट-पुलट कर रख दिया जो अपने ही बीच रहने वाले ईमानदार और काम करने वाले प्रत्याशी को चुनना चाहते थे पूरी तरह उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है जिसे लेकर पहाड़ के लोगों में भारी गुस्सा है और वह चुनाव नतीजो के बाद कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में चुनाव परिणामों के बाद पहाड़ पर एक नए महासंग्राम की तैयारियों का संकेत दे रहे हैं। चुनाव आयोग की विफलताओं व व्यवस्थाओं के कारण यह पंचायत चुनाव तमाम तरह के सवालों के घेरे में है तथा उस लोकतंत्र पर गंभीर सवालिया निशान है जिस पर हम गर्व करते थकते नहीं है।

पुल बन गया एप्रोच रोड है नहीं

संवाददाता

देहरादून। लगभग 50 करोड़ रुपए की लागत से बना पुल विभागीय एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की अपरिपक्वता, नासमझी, कमीशन खोरी की वजह से शोपीस बनकर रह गया है।

यह बात आज आज जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी द्वारा कही गयी। उन्होने उत्तराखंड एवं हिमाचल प्रदेश को जोड़ने वाला सेतु सिंहपुरा (हिप्र)- नावघाट(उत्तराखंड) पुल की कनेक्टिविटी मामले में फिर से मुख्य सचिव आनंद बर्धन को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही का आग्रह किया, जिस पर मुख्य सचिव ने सचिव, लो.नि.वि. को कार्यवाही करने एवं हिमाचल प्रदेश सरकार को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए।

नेगी ने कहा कि मोर्चा द्वारा पूर्व में भी मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी से कार्यवाही का आग्रह किया था, जिस पर सचिव, लोक निर्माण ने हिमाचल प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव, लो.नि.वि. को पत्र प्रेषित कर कार्रवाई का आग्रह किया था। नेगी ने कहा कि लगभग 50 करोड़ रुपए की लागत से बना उक्त पुल विभागीय एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की अपरिपक्वता, नासमझी, कमीशन खोरी की वजह से शोपीस बनकर रह गया है, जिसकी वजह से सरकार का करोड़ों रुपया बेकार हो रहा है एवं उक्त पुल का वर्तमान में जनता को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। हिमाचल प्रदेश से कनेक्टिविटी न होने के चलते सरकार का पैसा बर्बाद हो रहा है। सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि उक्त कनेक्टिविटी मामले में कोई कानूनी अड़चन फंसी है, जोकि हिमाचल प्रदेश के अधिकारियों द्वारा सुलझाए जाने की दिशा में कार्य कर रही है।

नेगी ने कहा कि भ्रष्ट अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की जुगलबंदी के चलते सरकार का करोड़ों रुपया बर्बाद हो रहा है। कहा कि अप्रैल 2015 में स्वीकृत पुल बगैर हिमाचल प्रदेश सरकार से पुख्ता एमओयू साइन किये जाने से लगभग एक-दो साल से बनकर तैयार हो गया है, लेकिन सिंहपुरा तक की कनेक्टिविटी भूमि अधिग्रहित/ अर्जन किये बगैर ही कर दी गई। हैरानी की बात है कि पुल निर्माण से पहले हिमाचल प्रदेश सरकार से कोई लिखित दस्तावेज नहीं लिए गए है।

पिकअप वाहन की चपेट में आकर बच्ची की मौत

संवाददाता

देहरादून। पिकअप वाहन की चपेट में आकर चार साल की बच्ची की मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लकडघाट श्यामपुर निवासी राहुल ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी चार साल की बेटी घर के बाहर खेल रही थी तभी वहां पर तेज गति से आ रहे पिकअप वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी।

ऑपरेशन कालनेमि के तहत उत्पात मचाते साधु वेशधारी का किया चालान

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। आपरेशन कालनेमि के तहत पुलिस ने कार्यवाही करते हुए सरेराह शराब पीकर उत्पात मचाने वाले एक साधुवेशधारी के खिलाफ चालानी कार्यवाही की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज सायंकाल प्रभारी निरीक्षक रुद्रप्रयाग मनोज नेगी के नेतृत्व में कोतवाली रुद्रप्रयाग पुलिस द्वारा अपने कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत स्थान केदारनाथ तिराहे के पास एक साधु वेशधारी व्यक्ति को सड़क पर सरे आम पर उत्पात मचाते हुए देखा जो शराब के नशे में प्रतीत हो रहा था। उक्त व्यक्ति का आधार कार्ड चेक किया गया तो उसका नाम तुरन नाथ आत्मज सनी नाथ, निवासी सर्वानंद घाट भूपतवाला, हरिद्वार पाया गया।

उक्त व्यक्ति का जिला अस्पताल में अल्कोहल परीक्षण कराये जाने पर साधु वेशधारी व्यक्ति का शराब के नशे में होना पाया गया। तदोपरान्त उक्त साधु वेशधारी व्यक्ति के व्यक्ति के खिलाफ उत्तराखण्ड पुलिस अधिनियम के तहत चालानी कार्यवाही की गयी है।

बंदरों के आतंक से निजात दिलाये जाने की मांग

हमारे संवाददाता

देहरादून। महानगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने क्षेत्रीय वनाधिकारी, आशारोडी, वन विभाग से मुलाकात कर महानगर के विभिन्न क्षेत्रों में फैले बंदरों के आतंक से निजात दिलाये जाने की मांग की।

❑क्षेत्रीय वनाधिकारी आशारोड़ी को सौंपा मांग पत्र

क्षेत्रीय वनाधिकारी आशारोड़ी, देहरादून को सौंपे मांग पत्र में पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा है कि देहरादून जनपद के धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र सहित वन विभाग की सीमा से लगे हुए कई इलाकों में बंदरों का भारी आतंक फैला हुआ है। यही नहीं शहर के कई अन्य क्षेत्रों में भी इन बंदरों के आतंक से आम लोगों का घर से निकलना दूभर हो चुका है। राह चलते लोगों पर बंदरों द्वारा हमला किया जा रहा है, जिससे लोगों में भय बना हुआ है तथा उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि आशा रोड़ी वन क्षेत्र से सटे इलाके जैसे, टर्नर रोड, मोथरोवाला, ब्रह्मपुरी, बंजारा वाला, क्लेमेन्टाउन, जीएमएस रोड़, आदि कई इलाकों में बंदरों का आतंक है। बंदर घरों तक आ जाते हैं तथा घरों में रखे सामान को भी भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं तथा राह चलते लोगों पर हमला कर रहे हैं। बंदरों के आतंक के कारण स्कूली बच्चों को ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

महिला कार्मिकों की ड्यूटी का मामला आयोग पहुंचा

संवाददाता

पिथौरागढ़। पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि महिला कार्मिका की डयूटी का मामला आयोग पहुंच गया है और उन्होंने मांग की है कि दोषी निर्वाचन अधिकारियों पर कार्रवाई की जाये।

आज यहां जिले में हुए पंचायत चुनाव में महिला कार्मिकों की ड्यूटी आयोग के नियमावली के विपरीत लगाए जाने शिकायत राज्य निर्वाचन आयोग से की गई है। आयोग के सम्मुख इस मामले में जांच कमेटी बनाकर तत्काल दोषी निर्वाचन अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग रखी गई है। आयोग से स्पष्ट कहा गया है कि इस संवेदनशील मामले का संज्ञान नहीं लिया तो उच्च न्यायालय नैनीताल में जनहित याचिका दायर की जाएगी।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आयोग की नियमावली के विपरीत जनपद आठ विकास खंडों में महिला कार्मिकों की ड्यूटी लगाई जाने की भनक लगते ही आयोग में शिकायत की थी। आयोग के हस्तक्षेप के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा इस संदर्भ में पत्र जारी करने के बाद भी महिला कार्मिकों को कोई लाभ नहीं मिला। जनपद के आठ विकास खंडों में महिला कार्मिकों की ड्यूटी 50 से 100 किलोमीटर की दूरी पर लगाया गया।

दोषी निर्वाचन अधिकारियों पर हो कार्रवाईः मर्तोलिया

आयोग की नियमावली में स्पष्ट लिखा है कि तैनाती स्थल से अगर महिला कार्मिक सुबह ड्यूटी वाले मतदान केंद्र में नहीं पहुंच पाती है, तो उसकी ड्यूटी ना लगाई जाए। उसके स्थान पर पुरुष कार्मिक की ड्यूटी लगाए जाने का स्पष्ट उल्लेख नियमावली में है। जिले के सभी निर्वाचन अधिकारियों द्वारा जबरन महिलाओं को तैनाती स्थल से दूर के मतदान केंद्रों में लिए भेजने के लिए विवश किया गया। महिला कार्मिक अपने रिस्क पर एक दिन पूर्व ड्यूटी लगे मतदान केंद्रो में पहुंच गई।

उन्होंने कहा कि रानीखेत जैसी घटना यहां भी हो सकती थी। असुरक्षा और भय के बीच महिला कार्मिकों को इस पंचायत चुनाव में अपनी ड्यूटी करनी पड़ी। इसकी जांच के लिए तत्काल कमेटी गठित करने का सुझाव दिया गया है। उसके बाद दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग भी उठाई है। उन्होंने कहा कि बगल के जनपद चंपावत में महिला कार्मिकों की ड्यूटी नियमावली के अनुरूप लगाई गई जो एक अनुकरणीय उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि पिथौरागढ़ जनपद में ऐसा क्यों नहीं हुआ। इस पर आयोग को कठोर कदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आयोग ने इस मामले का संज्ञान नहीं लिया तो वे उच्च न्यायालय नैनीताल में जनहित याचिका दायर करेंगे। कहा कि महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान के संवेदनशील मामले में चुपचाप नहीं रह सकते।

युवाओं में नशे के प्रति बढ़ता आकर्षण गंभीर चुनौती

प्रो. (डॉ.) राजेंद्र प्र. गुप्ता

युवाओं में नशे के प्रति बढ़ता आकर्षण पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर चुनौती के रूप में सीना तानकर खड़ा है। संयुक्त राष्ट्र के द्वारा जारी विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट 2024' के अनुसार 29.2 करोड़ से भी अधिक लोग पूरे विश्व में मादक पदार्थ के सेवन में लिप्त हैं।

आश्चर्य की बात यह है कि ऐसे लोगों की संख्या में पिछले दशक की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। नशे के प्रति इतनी रु झान मानव सभ्यता के सामने एक गंभीर संकट की ओर संकेत कर रही है।

भारत में भी युवा बड़ी संख्या में नशाखोरी की चपेट में हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने युवाओं में नशे के प्रति बढ़ती रु चि को एक पीढ़ीगत संकट बताया है। यह चुनौती इतनी गंभीर है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात' के तीसरे एपिसोड में 14 दिसम्बर 2014 को पूरी संवेदना के साथ देश के युवाओं से नशाखोरी से बाहर आने की विशेष अपील की थी। साथ ही उन्होंने युवाओं को विास दिलाया कि राष्ट्र के सामने मौजूद इस गंभीर संकट से निपटने के लिए वे युवा वर्ग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने को तैयार हैं। आंकड़ों के मुताबिक, देश के लगभग 20 प्रतिशत लोग नशे की चपेट में हैं।

इनमें 1.5 करोड़ से अधिक महिलाएं हैं। 10 वर्ष से 17 वर्ष की आयु वर्ग वाले लगभग 1.5 करोड़ किशोर भी इस खतरे की चपेट में हैं, जिनमें चिंताजनक संख्या में छोटी-छोटी बेटियां भी हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडीज 2017' के अनुसार पूरी दुनिया में 7.30 लाख लोग अवैध ड्रग्स के सेवन के कारण मृत्यु को प्राप्त हुए, जिसमें से 22 हजार से अधिक लोगों की मृत्यु भारत में भी हुई। एन.सी.आर.बी की एक रिपोर्ट के अनुसार 2019 में ही पूरे देश भर में ड्रग्स से परेशान होकर लगभग 7800 से अधिक लोगों ने आत्महत्या कर ली, जिसमें 20 वर्ष से 50 वर्ष की आयु वर्ग वाले अधिक लोग रहे। कष्टदायक स्थिति ये है कि हमारे कुछ युवा नशे के दुष्प्रभाव के कारण मानसिक रूप से बीमार हो रहे हैं।

देश के लगभग 45 मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े अस्पतालों में पिछले 10 वर्षों में भर्ती लोगों में 20 प्रतिशत नशे के कारण मानसिक रूप से अस्वस्थ माने गए। नशे के कारण मानसिक बीमारी के शिकार लोगों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की एक रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पंजाब जैसे राज्यों में नशे से संबंधित एफ.आई.आर की संख्या में वृद्धि हुई है। भारत में 3 करोड़ से अधिक लोग भांग के नशे में लिप्त हैं, जिनमें से 72 लाख से अधिक लोग इसकी वजह से अस्वस्थ हैं। 10 लाख के आसपास लोग इंजेक्शन द्वारा ड्रग्स लेते हैं, जबकि 10 करोड़ से अधिक लोग अनेक अवैध नशीले पदार्थ का उपयोग कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि केवल भारत ही इस संकट से जूझ रहा है।

अमेरिका, फ्रांस इत्यादि देशों के साथ सीरिया, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, रूस, ब्राजील इत्यादि देश भी इस समस्या से ग्रसित हैं। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के कारण दुनिया में सबसे अधिक मौतें अमेरिका और फ्रांस में ही हुई हैं। सीरिया में तो सरकार ने ही नशीली दवाओं के व्यापार को वित्त पोषित किया है। विश्व ड्रग रिपोर्ट 2017 के अनुसार केवल अमेरिका में ही नशीली दवाओं के कारण 70 हजार से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि भारत की शिक्षण संस्थाओं के आसपास चाय-नाश्ते की दुकानों, जनरल स्टोर्स इत्यादि के माध्यम से युवाओं को ड्रग्स और अन्य नशीले पदाथरे के दलदल में घसीटा जा रहा है।

भारत सरकार की ओर से समय-समय पर अनेक आवश्यक कदम उठाए जाते रहे हैं। एक तरफ सरकार जांच एजेंसियों के माध्यम से ड्रग्स के अवैध व्यापार पर लगातार छापेमारी करके उन नशीले पदाथरे को नष्ट कर रही है तो दूसरी ओर इसमें लाभ कमाने की दृष्टि से जो असामाजिक तत्व लगे हुए हैं, उनको कानून के कड़े प्रावधानों के द्वारा दंडित भी कर रही है। 2014 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नशाखोरी को समाप्त करने के लिए ड्रग्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत प्रयास किए जा रहे हैं। विशेषकर अमित शाह के गृह मंत्री बनने के बाद से ही ड्रग्स माफिया पर लगातार प्रहार हो रहे हैं।

गृह मंत्रालय की सूचना के अनुसार देश की तमाम जांच एजेंसियों ने हाल ही में 2023 में 16 हजार करोड़ रु पये से भी अधिक का ड्रग्स जब्त किया था। 2024 में 25 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक का ड्रग्स जब्त किया गया। 2023 की तुलना में 2024 में 55 प्रतिशत अधिक ड्रग्स जब्त किया गया। अगर हम नशे की गंभीर चुनौती को समाप्त करना चाहते हैं तो हमें सरकार के प्रयासों को जन भागीदारी से जोड़कर उचित क्रियान्वयन में सहयोग करना होगा। आवश्यकता है विश्व के अग्रणी देशों में नशे की रोकथाम के लिए अमल में लाई जा रही कानून-व्यवस्था के अध्ययन की। इसके आधार पर भारत में नशे की रोकथाम के लिए वैज्ञानिक दृष्टि से अनुसंधान कर उपलब्ध प्रावधानों का आवश्यक संशोधन किया जा सके। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्किन के लिए खतरनाक है मेकअप लगाकर एक्सरसाइज करना

क्या आप भी उन लड़कियों या महिलाओं में से हैं जो जिम जाने से पहले अपने चेहरे को फ्लॉन्ट करने के मकसद से मेकअप लगाती हैं?

अगर हां तो आज ही अपनी इस आदत को बदल दीजिए। आप हल्का-फुल्का कार्डियो एक्सरसाइज कर रही हों या फिर इंटेन्सिव वर्कआउट, मेकअप लगाकर एक्सरसाइज करना आपकी स्किन को कई तरह से नुकसान पहुंचा सकता है। किसी भी तरह के वर्कआउट के दौरान चेहरे पर मेकअप लगाए रखना कहीं से भी उचित नहीं है। हम आपको बता रहे हैं उन 4 वजहों के बारे में जिनके कारण आपको एक्सरसाइज करते वक्त मेकअप लगाने से बचना चाहिए...

एक्ससाइज करते वक्त खूब सारा पसीना निकलता है। ऐसे में अगर आप अपने चेहरे पर एक्सर्साइज करते वक्त मेकअप लगाकर रखेंगी तो बैक्टीरिया आने की आशंका बढ़ जाएगी क्योंकि मेकअप बैक्टीरिया को अट्रैक्ट करता है। शरीर से टॉक्सिन्स यानी हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने का बेहतरीन तरीका है एक्सर्साइज और मेकअप लगाकर आप टॉक्सिन्स को बाहर निकलने से रोक रही हैं।

क्लॉग्ड पोर्स यानी स्किन के रोमछिद्र जब बंद हो जाते हैं और ऐक्ने की समस्या होती है तो इसका हल तो निकाला जा सकता है लेकिन अगर स्किन के पोर्स यानी रोमछिद्र बड़े हो जाएं तो वह स्किन को पर्मानेंट डैमेज करते हैं। वर्कआउट करते वक्त आपकी स्किन के पोर्स खुलते हैं लेकिन अगर वे खुल न पाएं तो समय के साथ वे बड़े होते जाते हैं जिससे स्किन को स्थायी नुकसान होता है।

अगर आपकी स्किन बहुत ज्यादा सेंसेटिव यानी नाजुक है तब तो आपको एक्सर्साइज के वक्त मेकअप से बिलकुल दूर रहना चाहिए वरना आपको चेहरे पर रेडनेस, असमान रंगत और इरिटेशन यानी खुजली-जलन की दिक्कत हो सकती है।

अगर आप जिम में मेकअप लगाकर जाने की अपनी आदत को नहीं बदल सकतीं तो कम से कम अपने मेकअप प्रॉडक्ट्स को जरूर बदल दें। नॉन-कोमेडोजेनिक प्रॉडक्ट्स यूज करें जो आपके स्किन के पोर्स को बंद नहीं करेंगे। हेवी ऑइल बेस्ड मेकअप प्रॉडक्ट्स की जगह उनका हल्का वर्जन यूज करें। फाउंडेशन की जगह टिंटेड क्रीम या सीसी क्रीम यूज करें।

इस प्रकार बढ़ेगी प्रोडक्टिविटी

अगर आप ऑफिस के काम में दबाव का अनुभव कर रहे हैं और बेहतर परिणाम नहीं मिल रहा है। तो कुछ उपाय अपनाकर सफलता हासिल कर सकते हैं। इनसे ऑफिस में आपकी प्रोडक्टिविटी तो बढ़ेगी ही साथ ही काम का माहौल पहले से ज्यादा बेहतर हो जाएगा। लंबी सैर वाले ब्रेक का इंतजार किए बिना चार छोटी वॉक लीजिए और आप ऐसा कर 11 घंटे तक अपना मूड फ्रेश बनाए रख सकते हैं।

अपने डेस्क पर एक छोटा पौधा रख लीजिए कुदरत के करीब रहने से दबाव खुद ब खुद कम होने लगता है।

वर्क रिपोर्ट के अलावा नॉवेल भी पढ़िए। जब कभी लोग नॉवेल पढ़कर काम करना शुरू करेंगे, तो दिमाग ज्यादा तेज काम करता है।

काम के बीच में पावर नैप (झपकी) लेने से अलर्टनेस भी आती है और काम भी बेहतर होता है। बोरियत से निपटकर रिचार्ज होने का यह जोरदार तरीका है।

सेनबॉक्स, मेलस्टॉर्म या इंकी जैसे मेल सोर्टिंग सर्विस का फायदा उठकर अपने भारी- भरकम इनबॉक्स की दिक्कत से पार पा सकते हैं।

कॉफी या चाय भी ताजगी के लिए अच्छे हैं, लेकिन इस मामले में पानी का मुकाबला कोई नहीं कर सकता।

थोड़ा बहुत हंसी- मजाक ऑफिस में ना केवल माहौल को हल्का बनाता है, बल्कि प्रोडक्टिविटी भी बढ़ाता है।

डार्क चॉकलेट, केले या बादाम ऐसे ब्रेक हैं, जो दिमाग तेज चलाते हैं, साथ ही ताकत भी देते हैं। दफ्तर में सुंगध भी काम की रफ्तार और असर बढ़ाती है।

नई धुन, नया गाना। म्यूजिक से भी काम में बेहतरी आती है लेकिन ऐसा म्यूजिक चुनिए, जिसमें बोल ना हों, मद्धम संगीत का जादू असरदार है।

रोज खाएंगे पिज्जा तो वजन बढ़ेगा नहीं बल्कि हो जाएगा कम ?

जब वेट लॉस की बात आती है तो सबसे पहले लोग पिज्जा जैसे फूड से दूरी बना लेते हैं।

पिज्जा के शौकीन लोगों के लिए ऐसा करना बहुत मुश्किल हो जाता है, लेकिन अगर हम कहें कि आप रोज इसे खाकर भी वजन कम कर सकते हैं तो आप क्या कहेंगे?

जी हां, रोज पिज्जा खाने पर भी आप वेट लॉस कर सकते हैं। खास बात यह है कि आपको जिम में इससे मिलने वाली कैलरीज को बर्न करने के लिए एक्स्ट्रा वर्कआउट भी नहीं करना पड़ेगा।

दरअसल, कुछ समय पहले न्यू यॉर्क के एक शेफ ने रोज पिज्जा खाकर अपना वजन करीब 36 किलो कम कर लिया था, जिससे सभी हैरान रह गए थे।

अपने इस वेट लॉस के सीक्रेट को शेयर करते हुए शेफ ने बताया था कि वह रोज लंच में पिज्जा खाते हैं। इस पिज्जा को वह खुद बनाते हैं।

पिज्जा लवर इस शेफ ने खुद इसे बनाना शुरू कर दिया। इसके लिए उन्होंने मार्केट से बेस खरीदने की जगह खुद आटे, पानी, सी सॉल्ट और यीस्ट का इस्तेमाल कर पिज्जा बेस बनाया।

उन्होंने इस बात का खास ध्यान रखा कि पिज्जा के जरिए भी उन्हें न्यूट्रिशन पूरा मिले। इसके लिए उन्होंने टॉपिंग्स के लिए सब्जियों के साथ ही मशरूम, अपने पसंद के मीट और चीज आदि को शामिल किया। ध्यान रहे कि पिज्जा में चीज की मात्रा बहुत ज्यादा न कर दें।

इन बातों का रखें ध्यान

पिज्जा के इस हेल्दी वर्जन को रोज खाने के बाद कुछ चीजों का ध्यान रखना भी जरूरी है। पिज्जा को अपना लंच बनाएं तो अन्य फास्ट फूड से दूरी बनाए रखें, साथ ही में कोल्डड्रिंक की जगह जूस का सेवन करें। अपना डेली वर्कआउट भी जरूर जारी रखें ताकि कैलरीज के कारण फैट न बढ़ सके।

भारतीय पर्यटकों में विदेश यात्रा का क्रेज तेजी से बढ़ा

अनमोल जैन

हाल के वर्षों में, भारतीय पर्यटकों में विदेश यात्रा का क्रेज तेजी से बढ़ा है। पहले जहां विदेश यात्रा कुछ खास लोगों तक सीमित थी, वहीं अब यह मध्यम वर्ग और युवाओं के लिए भी एक आम विकल्प बन गया है। भारत में आर्थिक विकास के साथ लोगों की आय बढ़ी है, जिससे उनके पास यात्रा पर खर्च करने के लिए अधिक पैसा उपलब्ध है। हवाई यात्रा अब पहले से कहीं अधिक सुलभ और सस्ती हो गई है। इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विदेशी गंतव्यों की तस्वीरें और वीडियो देखकर लोग प्रेरित होते हैं। विदेशी अनुभवों को साझा करने की इच्छा भी एक बड़ा कारक है। भारतीय पर्यटक अब सिर्फ दर्शनीय स्थलों से आगे बढ़कर रोमांचक गतिविधियों, विविध संस्कृतियों और अद्वितीय अनुभवों की तलाश में हैं। विदेशी गंतव्य अक्सर कुछ ऐसा नया और अलग प्रदान करते हैं जो भारत में आसानी से उपलब्ध नहीं होता।

कई देशों ने भारतीय पर्यटकों के लिए वीजा प्रक्रियाओं को सरल बनाया है या वीजा-ऑन-अराइवल की सुविधा प्रदान की है, जिससे यात्रा की योजना बनाना आसान हो गया है। शिक्षा और सूचना के प्रसार के साथ, भारतीयों में वैश्विक जागरूकता बढ़ी है। वे दुनिया के विभिन्न हिस्सों को करीब से जानने के इच्छुक हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय पर्यटकों द्वारा विदेशों में किए गए खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। भारतीय यात्रियों के लिए शीर्ष अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), अमरीका, वियतनाम और इंडोनेशिया शामिल हैं। यदि वर्तमान रुझान जारी रहता है, तो अनुमान है कि 2034 तक बाहरी यात्रा पर खर्च 55 बिलियन डॉलर से अधिक हो सकता है।

पहली नजर में ऐसा लग सकता है कि भारतीयों का विदेश में पैसा खर्च करना भारत के लिए नुकसानदेह है, लेकिन इसके कुछ सकारात्मक पहलू भी है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के बढ़ते वैश्विक एकीकरण को जिसका अर्थ है कि वे विभिन्न संस्कृतियों, व्यापारिक प्रथाओं और विचारों से परिचित हो रहे हैं, जो अंततः भारत के वैश्विक संबंधों को मजबूत कर सकता है। हालाकि पैसा विदेश में खर्च हो रहा है, लेकिन यात्रा के लिए बुकिंग, वीजा आवेदन, विदेशी मुद्रा विनिमय आदि के लिए भारतीय ट्रैवल एजेंटों और वित्तीय संस्थानों का उपयोग किया जाता है, जिससे देश में रोजगार और राजस्व सृजन होता है।

विदेश यात्रा से भारतीय नए विचारों, तकनीकों और व्यापार मॉडल से परिचित होते हैं, जिन्हें वे वापस आकर भारत में लागू कर सकते हैं। यह नवाचार और विकास को बढ़ावा दे सकता है। विदेशी पर्यटन अनुभवों से प्रेरणा लेकर, भारतीय पर्यटन उद्योग को अपनी सेवाओं और बुनियादी ढांचे में सुधार करने की प्रेरणा मिलती है ताकि वे अंतरराष्ट्रीय मानकों से मुकाबला कर सकें। हालांकि विदेश यात्रा का आकर्षण समझ में आता है, लेकिन भारत के पास भी अतुल्य पर्यटन क्षमता है। भारतीयों को देश के भीतर अधिक खर्च करने के लिए आकर्षित करने के लिए कदम उठाए जा सकते हैं। सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बहरहाल, भारतीयों का विदेश यात्रा करना वैश्विक रुझान और बढ़ती आकांक्षाओं का एक परिणाम है। हालाकि यह एक सकारात्मक संकेत है, भारत को अपनी विशाल पर्यटन क्षमता का पूरा लाभ उठाने के लिए आंतरिक पर्यटन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। बुनियादी ढांचे में सुधार, विविध अनुभवों का विकास, प्रभावी मार्केटिंग और सेवा गुणवत्ता में सुधार करके, भारत न केवल अधिक भारतीय पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है, बल्कि वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर अपनी स्थिति को भी मजबूत कर सकता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

मेकअप करते समय ये गलतियां हो जाएं तो ऐसे करें ठीक, दोबारा नहीं करना पड़ेगा मेकअप

मेकअप करते समय छोटी-छोटी गलतियां होना आम है। हालांकि, कई बार ये गलतियां मेकअप को बिगाड़ देती हैं, खासकर अगर आप किसी खास मौके पर तैयार हो रही हों तो मेकअप में एक भी गड़बड़ी पूरा लुक बिगाड़ सकती है। ऐसे में आपको दोबारा मेकअप करने का वक्त भी नहीं मिलता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे मेकअप हैक्स बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप मेकअप से जुड़ी गलतियों को आसानी से ठीक कर सकते हैं।

आईलाइनर फैले तो ये तरीका अपनाएं

अगर आप आईलाइनर लगाते समय गलती से इसे फैला दें तो इसे ठीक करने के लिए रुई को मेकअप हटाने वाले लिक्विड में भिगोएं, फिर इसे फैले हुए आईलाइनर पर हल्के हाथों से लगाएं। इससे आईलाइनर का फैलाव आसानी से ठीक हो जाएगा। इसके बाद आप फिर से आईलाइनर लगा सकती हैं। ऐसे आपका आंखों का मेकअप पहले की तरह साफ और सही दिखेगा। यह तरीका आपके आंखों के चारों ओर के मेकअप को भी खराब होने से बचाएगा।

ज्यादा कंसीलर लग जाए तो ऐसे करें ठीक

कभी-कभी आंखों के नीचे कंसीलर लगाने पर यह ज्यादा लग जाता है, जिससे आंखें सूजी-सूजी लगने लगती हैं। इससे बचने के लिए अपनी उंगलियों या एक छोटे ब्रश का इस्तेमाल करके आंखों के नीचे लगे कंसीलर को हल्के हाथों से फैलाएं। इसके बाद आंखों के नीचे हल्का-सा पाउडर लगाएं। इससे आंखों का मेकअप सही दिखेगा। आप चाहें तो आंखों के नीचे हल्का-सा फाउंडेशन भी लगा सकते हैं।

ब्लश का ज्यादा लगना

अगर कभी आपका ब्लश ज्यादा लग जाए तो इससे आपका पूरा चेहरा गड़बड़ा सकता है। इससे बचने के लिए सबसे पहले अपने गालों पर लगे ब्लश को हल्के हाथों से टिश्यू से पोंछ लें। इसके बाद गालों पर थोड़ा-सा हल्का पाउडर लगाएं। इससे ब्लश का ज्यादा रंग छुप जाएगा और आपका चेहरा सही दिखेगा। यह तरीका आपके गालों को एक प्राकृतिक लुक भी देगा और ब्लश की चमक को कम करेगा।

आइब्रो को ज्यादा भरने के बाद ऐसे करें ठीक

अगर कभी आपकी आइब्रो ज्यादा भरी हुई लगें तो इसे ठीक करने के लिए अपनी उंगलियों से या एक साफ ब्रश से आइब्रो को हल्के हाथों से कंघी करें। इससे आइब्रो पहले की तरह सही दिखेंगी। इसके बाद आप आइब्रो के बीच के खाली हिस्से में हल्का-सा कंसीलर लगा सकती हैं। इससे आपकी आइब्रो एकदम सही दिखेंगी। यह तरीका आपके चेहरे को एक निखार देगा और आपके लुक को खास बनाएगा।

मस्कारा का गड़बड़ होना

अगर कभी मस्कारा लगाते समय यह आपकी पलकें या त्वचा पर लग जाए तो इसे ठीक करने के लिए रुई को हल्के हाथों से रगड़ें। इससे मस्कारा जल्दी हट जाएगा। इसके बाद अपनी त्वचा पर लगे मस्कारा को साफ करने के लिए थोड़ा-सा फेसवॉश या शैम्पू लगा लें, फिर पानी से धो लें। इससे आपकी त्वचा साफ हो जाएगी और मस्कारा की गड़बड़ी भी ठीक हो जाएगी। यह तरीका आपके चेहरे को एक नया निखार देगा। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -30

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

1	2				3			
4			5			6		7
	8				9			
10								
11					12			
				13			14	
16	17			18				
			19					20
21						22		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 29 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

इमरान हाशमी की नई फिल्म गनमास्टर जी9 का ऐलान

इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया की जोड़ी एक बार फिर सिनेमाघरों में धमाल मचाने आ रही है। जी हां, इमरान हाशमी की नई फिल्म की घोषणा हुई है, जिसमें हिमेश रेशमिया का संगीत फिर से सुनाई देगा। आदित्य दत्ता द्वारा निर्देशित फिल्म गनमास्टर जी 9' का अनाउंसमेंट वीडियो सामने आया है। जिसमें इमरान हाशमी के साथ जेनेलिया डीसूजा और अपारशक्ति खुराना भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

मेकर्स ने फिल्म से जुड़े तीन अलग-अलग क्लिप्स शेयर किए हैं। इनमें फिल्म के तीनों मुख्य कलाकारों इमरान हाशमी, जेनेलिया डिसूजा और अपारशक्ति खुराना के वॉइस ओवर सुनाई देते हैं। पहली क्लिप में एक बाल्टी रखी दिखती है, जिसपर जी9 लिखा हुआ है। इसके साथ इमरान हाशमी की आवाज में वॉइस ओवर आता है मुझसे मच-मच किया चलेगा, गलती से फैमिली को टच किया, तो याद रखना धंधे से दूधवाला हूं, बंदा बारूद वाला हूं।' इसके साथ ही एक हाथ दिखाई देता है जिस पर टैटू बने हुए हैं और हाथों में बंदूक है।

इसी तरह की एक अगली क्लिप शेयर हुई है, जिसमें जी9 लिखी हुई बाल्टी रखी हुई है। इसमें जेनेलिया का वॉइस ओवर आता है, जिसमें वो कहती हैं, घर की बहूं हूं, इसका ये मतलब नहीं कि सिर्फ निर्मल और शीतल। घर की सब्जी आएगी, तो सब्जी काटूंगी। लेकिन अगर घर पर गुंडे बदमाश आए तो, सब्जी थोड़े न काटूंगी।' इस क्लिप के साथ ही कई सारी चूड़ियां पहने एक हाथ बाल्टी में से निकलता है, जिसमें हाथों में धारदार हथियार है।

इसी तरह जो तीसरी क्लिप है उसमें अपारशक्ति खुराना का वॉइस ओवर और उनका एंट्रो है। इस बार जी9 लिखी बाल्टी से एक हाथ निकलता है, जो बम पकड़े हुए है। इसमें अपारशक्ति का वॉइस ओवर कहता है, लोहे की काठी दे सूराटी। हाथ में है बम और गुड़गांव में लोग हमसे 70 फिट दूर रहते हैं। क्योंकि बम और हम कभी भी फट सकते हैं।' इन तीनों एक्टर्स के इंट्रो के साथ ही लास्ट में रेशमिया का म्यूजिक और उनकी आवाज भी सुनाई देती है।

मेकर्स ने इसे नए जमाने का एक्शन बताया है। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित और हिमेश रेशमिया के संगीत से सजी गनमास्टर जी 9' की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है। मेकर्स ने सिर्फ इतना साफ किया है कि ये फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

किच्चा सुदीप की नई फिल्म के47 का ऐलान

कन्नड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप को पिछली बार एक्शन थ्रिलर फिल्म मैक्स में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। साउथ के जाने-माने निर्देशक विजय कार्तिकेय ने इस फिल्म का निर्देशन किया था। अब किच्चा ने अपनी नई फिल्म के47 का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म के लिए उन्होंने एक बार फिर निर्देशक कार्तिकेय के साथ हाथ मिलाया है। बता दें कि फिल्म का निर्माण सत्य ज्योति फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है।

के47 से किच्चा की पहली झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहे है। इस फिल्म की शूटिंग 7 जुलाई, 2025 से शुरू होगी। यह फिल्म इस साल दिसंबर के अंत तक सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। कहा जा रहा है कि फिल्म 25 दिसंबर, 2025 को रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर के47 का सामना आलिया भट्ट की फिल्म अल्फा और अदिवी शेष की फिल्म डकैत से होगा।

एटली की फिल्म में एक और बड़ा धमाका करने को तैयार पुष्पा

पैन इंडिया स्टार अल्लू अर्जुन ने कई हिट फिल्में दी हैं, लेकिन पुष्पा ने उन्हें सफलता के उस मुकाम पर पहुंचा दिया, जहां पहुंचना हर किसी के बस की बात नहीं। भारत की सबसे कमाऊ फिल्म पुष्पा 2ः द रूल दे चुके अल्लू की अगली फिल्म से जुड़े हर छोटे-बड़े अपडेट पर प्रशंसक नजर बनाए हुए हैं। अब खबर है कि एटली की फिल्म में अल्लू ऐसा कारनामा करने वाले हैं, जिसे जानकर उनके प्रशंसक यकीनन खुशी से उछल पड़ेंगे।

अल्लू ने पुष्पा 2 से धमाका कर दिया था। फिल्म ने दुनियाभर में 1,800 करोड़ से ज्यादा की कमाई करके इतिहास रच दिया था। अब अल्लू से दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं और इसी को ध्यान में रखते हुए अल्लू ने अपने तमाम चाहने वालों के लिए कुछ बड़ी योजना बनाई है। रिपोर्ट में बताया है कि एटली की फिल्म में अल्लू 1, 2 या 3 नहीं, बल्कि 4 अलग-अलग किरदार निभाने वाले हैं।

अल्लू पर्दे पर दादा, पिता और 2 बेटों का किरदार निभाने जा रहे हैं। ये उनके करियर की पहली फिल्म होगी, जिसमें वह इतनी सारी भूमिकाओं में दिखेंगे। उधर प्रशंसकों के लिए भी पर्दे पर अल्लू को इन 4 किरदारों में देखना एक शानदार अनुभव होगा। एटली पहले चाहते थे कि अल्लू डबल रोल करें और बाकी 2 किरदारों के लिए दूसरे कलाकारों को ले लिया जाए। हालांकि, अल्लू ने कहा कि वो खुद ही चारों किरदार निभाना चाहेंगे। लुक टेस्ट के समय एटली को समझ आया कि ऐसा करना सही रहेगा, क्योंकि प्रशंसकों को अल्लू के 4-4 अवतार देखने को मिलेंगे। यह पहला मौका होगा, जब फिल्म में अल्लू के साथ दीपिका पादुकोण नजर आएंगी, वहीं रश्मिका मंदाना भी फिल्म से जुड़ गई हैं। वह इसमें नकारात्मक भूमिका निभाएंगी।

डीप रेड ड्रेस में नुसरत भरुचा ने शेयर की स्टनिंग तस्वीरें

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरुचा ने एक बार फिर अपने बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज़ से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। हाल ही में नुसरत ने अपने इंस्टाग्राम पर डीप रेड स्ट्रैपलेस ड्रेस में कुछ बेहद स्टनिंग तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनका कॉन्फिडेंस और स्टाइल साफ झलकता है। इस लुक को उन्होंने कैप्शन दिया, निर्माण वस्त्रः ईंट दर ईंट, अलग-अलग निर्माण! फोटोज में उनके बैकग्राउंड में जलती हुई स्पार्कल्स और उनके रेड लिप्स लुक को और भी अट्रैक्टिव बना रहे हैं।फैंस और सेलेब्रिटीज़ दोनों ने उनकी पोस्ट पर प्यार बरसाया। किसी ने उन्हें स्टनिंग' कहा तो किसी ने फैशन क्वीन'। पोस्ट पर कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं, जो उनके फैंस की दीवानगी को बयां करते हैं।

नुसरत का ये ग्लैमरस अवतार इस बात का सबूत है कि वह न सिर्फ एक टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं, बल्कि फैशन आइकन भी हैं। उनका स्टाइल हर बार फैंस के दिल जीत लेता है और सोशल मीडिया पर खूब वायरल होता है। अब देखना दिलचस्प होगा कि नुसरत अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स में और किन-किन लुक्स से फैंस को चौंकाती हैं।

नुसरत भरुचा की इन तस्वीरों ने फैशन इंडस्ट्री में भी चर्चा बटोरी है। उनकी ड्रेस का यूनिक कट और डीप नेकलाइन उनके लुक को और भी ग्लैमरस बनाता है, वहीं मिनिमल ज्वेलरी और ओपन हेयरस्टाइल ने इस लुक को कंप्लीट किया है। फोटोशूट की शानदार लाइटिंग और बैकग्राउंड इफेक्ट्स ने तस्वीरों में चार चांद लगा दिए हैं। नुसरत का ये कॉन्फिडेंस और एक्सप्रेशन साबित करता है कि वह सिर्फ रेड कार्पेट पर ही नहीं, बल्कि कैमरे के सामने भी बेजोड़ अंदाज से छा जाने का हुनर रखती हैं। यही वजह है कि उनके फैन्स बेसब्री से उनके हर नए लुक और प्रोजेक्ट का इंतजार करते रहते हैं।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी से वरुण धवन की पहली झलक आई सामने

अभिनेता वरुण धवन को पिछली बार फिल्म बेबी जॉन में देखा गया था, जिसमें वह जबरदस्त एक्शन करते दिखे। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। अब वरुण जल्द ही फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे, जिसके निर्देशन की कमान शशांक खैतान ने संभाली है, वहीं करण जौहर फिल्म के निर्माता हैं। अब सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी से वरुण की पहली झलक सामने आ गई है।

पोस्टर में वरुण हाथ जोड़कर हंसते नजर आ रहे हैं। निर्माताओं ने लिखा, सनी संस्कारी की शायरी- ये आंसू हैं मेरे, समुद्र का जल नहीं... ये आंसू हैं मेरे, समुद्र का जल नहीं.... बारिश का क्या भरोसा, आज है.... कल नहीं। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी 2 अक्टूबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना कांताराः चैप्टर 1 से होगा। इस फिल्म में वरुण की जोड़ी जाह्नवी कपूर के साथ बनी है।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। इस फिल्म में वरुण धवन, जान्हवी कपूर के अलावा रोहित सराफ और सान्या मल्होत्रा भी नजर आएंगी। पहले यह फिल्म 12 सितंबर को रिलीज होने वाली थी और अब इसे 2 अक्टूबर को रिलीज किया जाएगा।

वरुण धवन के वर्कफ्रंट की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार बेबी जॉन में देखा गया था। वहीं अभिनेता की आगामी फिल्मों की बात करें, तो उन्हें बॉर्डर 2 में देखा जाएगा, जिसमें सनी देओल मुख्य भूमिका में होंगे। इसके अलावा वह है जवानी तो इश्क होना फिल्म की भी शूटिंग कर रहे हैं।

मतदाता सूची में सुधार करने को लेकर विवाद क्यों हो रहा है

अजय दीक्षित

चुनाव आयोग ने बिहार सहित सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों में सुधार के लिए कुछ नियम कायदे कानून बनाए हैं और इन सुधारों को लेकर बिहार में राजद के नेता तेजस्वी यादव ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी बिहार में कुछ विशेष संप्रदाय के मतदाताओं को मतदान से वंचित करना चाहती है और उन्होंने इस प्रक्रिया के चुनाव से ठीक पहले करने पर आपत्ति जताई है। 9 जुलाई को पटना में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने इस संबंध में प्रदर्शन कर कहा कि भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र की तरह चुनाव में हेराफेरी करना चाहती है।दूसरी ओर कुछ व्यक्तियों ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कहा है कि इस प्रक्रिया पर रोक लगाएं। सर्वोच्च न्यायालय 1० अगस्त को सुनवाई करेगा।

भारत के संविधान के लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951

की अनुच्छेद 243 (क) के तहत ईसीआई यानि मुख्य चुनाव आयोग मतदाता सूचियों का राज्य बार समय समय पर प्रकाशित करता है।भारत का प्रत्येक नागरिक 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर मतदाता सूची में एक स्थान पर अपने मत का किसी भी चुनाव में भाग ले सकता है।

मतदाता सूचियों के गठन की प्रणाली आजादी के बाद 1951 से लागू है और प्रथम चुनाव 1952 में लोकसभा और विधानसभा के एक साथ कराए गए। आरंभ में मतदाता के लिए आयु 21 वर्ष थी जो 1986 में 18 वर्ष करदी गई।

जैसे जैसे समय बीता तो कुछ विसंगति भी नजर आई जैसे अनाधिकृत तरीके से कुछ राज्यों घुसपैठियों भी मतदाता सूची में शामिल हो गए।इन लोगों ने राशनकार्ड बनवाकर अपने आप को मतदाता सूची में शामिल कर बा लिया ।जिन राज्यों इस प्रकार की घुसपैठ हुई उनमें पश्चिमी बंगाल,बिहार,उत्तर प्रदेश,असम, नागालैंड त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, प्रमुख रूप से शामिल हैं।इन राज्यों में बांग्लादेश के चकमा शरणार्थी, घुसपैठियों की संख्या अधिक थी।

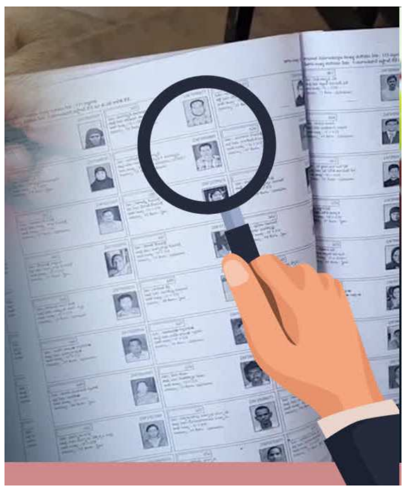

सबसे पहले अटलजी की सरकार में गृह मंत्री रहे लालकृष्ण आडवाणी ने इसे संज्ञान में लिया। लेकिन 2०14 में नरेंद्र मोदी सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया। और एनआरसी बनाने की घोषणा की इतना ही नहीं पहले आधार को पैन कार्ड से लिंक कराया उसके बाद वोटर आईडी को आधार से लिंक करने का काम चल रहा है।चुनाव आयोग ने

वर्तमान में बिहार में मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों को रोकने के लिए आवश्यक कर दिया है कि मतदाता को यह साबित करना पड़ेगा कि वह भारत का निवासी है फिर चाहे वह किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश का हो । इसके लिए मतदाता को अपने पिता का जन्म प्रमाणित करना पड़ेगा ।

बस यही से विवाद शुरू हुआ है। बिहार, पश्चिमी बंगाल, असम, और,सातों पूर्वोत्तर राज्यों में लाखों लोगों ने जाली राशनकार्ड, वोटर कार्ड, आधार कार्ड, बनवा लिया है। उनमें से अधिकाक मुस्लिम है जो बांग्लादेश,म्यांमार,से आए हैं।

पश्चिमी बंगाल की कम्युनिस्ट सरकार, तुड़मूल कांग्रेस, राजद, समाजवादी पार्टी ने इन लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया है। उसी कार्ड से ये लोग वोटर बन गए हैं।

केंद्र में जब तक कांग्रेस सरकार रही उसने इन मुद्दों को महत्व नहीं दिया लेकिन चुनाव आयोग समय समय पर संज्ञान में लाता रहा था। टी एन शेषन जब मुख्य चुनाव आयुक्त थे तब उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री पी वी नरसिंह राव से बकायदा पत्र लिख कर सूचित किया था कि पश्चिमी बंगाल की मतदाता सूचियों का परीक्षण कराया जाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि मतदाता सूचियों का प्रचलन बहुत प्राचीन है और समय समय पर इस प्रक्रिया में सुधार किया गया है।

दुनियां की पहली मतदाताओं सूची का उल्लेख 1241 में ब्रिटेन में मिलता है तत्कालीन समय में किसी मुद्दे पर राय लेने के लिए एक सूची थी । लेकिन 1761 में अमेरिका में बकायका चुनाव के लिए मतदाता सूची बनी ।उससे पहले मत व्यक्त करने के लिए पहले कान में कहना बाद में ध्वनि मत का ईजाद किया गया था।फिर एक हस्त लिखित पर्ची की प्रथा चली उसके बाद रेफरेंडम बना । स्विटजरलैंड में सबसे पहले नागरिकों के घर पोस्ट से मतपत्र भेजने का भी प्रचलन था।

मॉडर्न डेमोक्रेसी अमेरिका से आई।अब पूरे संसार में लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता सूचियों है ।किन्हीं राष्ट्रों में तो एनआरसी से स्वचालित मतदाता सूचियों का उपयोग किया जाता है।18 वर्ष पूरी होने पर स्वचालित रूप से मतदाता बनता है।जन्म विवाह, मृत्य पंजीकरण से मतदाता का स्थान तय किया जाता है।

भारत में ईवीएम से मतदान होता है लेकिन मतदाता सूचियों का निर्धारण प्रक्रिया जटिल व कठिन है।चुनाव आयोग सरलीकरण और कंप्यूटर जनित मतदाता सूचियों को ऑनलाइन करने के रास्ते में है । विपक्ष का तर्क भी सही है कि चुनाव के मौके पर इस तरह के प्रक्रिया करना आपत्तिजनक है। लेकिन यह फैसला चुनाव आयोग का है न कि केंद्रीय सरकार का । और भारत में चुनाव आयोग अब तो काफी शक्तिशाली है। यहां तक कि मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ दो अन्य चुनाव आयुक्त हैं।किसी जमाने में चुनाव आयोग, मतदाता सूचियों, मतपत्र छापने,चुनाव से जुड़े कर्मचारियों, अधिकारियों को साज सामान, देने तक सीमित था लेकिन टी एन शेषन ने चुनाव आयोग की शक्तियों का परिचय करवाया।

टी-सीरीज़ ने रिलीज़ किया नया धमाकेदार म्यूज़िक वीडियो दिल पे चलाई छुरियाँ

टी–सीरीज़ ने अपने मशहूर गाने दिल पे चलाई छुरियाँ का एक नया और ट्रेंडिंग वर्ज़न रिलीज़ किया है, जो पुराने जज़्बातों में नए रंग भरता है। म्यूज़िकवीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया- वह गाना जो पहले से ही आपके दिल और दिमाग में जगह बना चुका है, अब रिलीज़ हो गया हैसदिलपेचलाईचूरिया ! सोनू निगम की अमर आवाज़ के साथ यह वीडियो एक बार फिर लोगों के दिलों में बस गया है– इस बार एक ताज़गी भरेअंदाज़ में।

यह गाना सबसे पहले 1995 की फिल्म बेवफा सनम में आया था, जिसे निखिल–विनय ने संगीतबद्ध किया था और बोल लिखे थे पयाम सईदी ने।अब इस क्लासिक ट्रैक को नए जोश और ज़माने के डिजिटल सितारों के साथ पेश किया गया है। वीडियो में नज़र आते हैं वायरल कलाकार राजूकलाकार, अंजलि अरोड़ा, रजन अरोड़ा, ऋषभ शुक्ला और दीपक घाग, जिनकी परफॉर्मेंस को कोरियोग्राफ किया है मुदस्सर खान ने–जो अपनेज़ोरदार बॉलीवुड स्टाइल डांस के लिए जाने जाते हैं।

वीडियो रंग–बिरंगे दृश्यों और उत्सव भरे मूड से भरपूर है। आकर्षक परिधानों में सजे डांसर्स ने जोश और उत्साह से भरपूर परफॉर्मेंस दी है, जो हर किसीको थिरकने पर मजबूर कर देती है। पुराने गाने में नया ट्विस्ट देकर इस ट्रेंडिंग वर्ज़न को आज की युवा पीढ़ी से खास जुड़ाव मिला है। दिल पे चलाई छुरियाँ (ट्रेंडिंग वर्ज़न) केवल एक रीमेक नहीं है, बल्कि यह एक जश्न है–जहाँ बॉलीवुड की सुनहरी यादें और आज का वायरल चार्मएक साथ आते हैं।

सू- दोकू क्र.30

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.29 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

आस्था के सहारे आतंकवाद को जवाब

अशोक शर्मा

पवित्र अमरनाथ यात्रा का शुभारंभ हमेशा से ही आस्था और भक्ति का प्रतीक रहा है, लेकिन इस वर्ष इसका महत्व कहीं अधिक गहरा गया है। 3 जुलाई, 2०25 को शुरू हुई यह 38 दिवसीय यात्रा, जो 9 अगस्त को रक्षाबंधन के पावन पर्व पर संपन्न होगी, मात्र एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति और अटूट विश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। विशेषकर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बावजूद, जिस तरह से श्रद्धालुओं का उत्साह और पंजीकरण का आंकड़ा (साढ़े तीन लाख से अधिक) बरकरार है, वह यह साबित करता है कि आतंकवादी अपने नापाक मंसूबों में कभी कामयाब नहीं होंगे। इस यात्रा का पहला जत्था, जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह सिर्फ यात्रियों की आवाजाही नहीं, बल्कि राष्ट्र के अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का मार्च था। जिस तरह से प्रत्येक श्रद्धालु के चेहरे पर भगवान शिव के दर्शन की लालसा झलक रही थी, वह किसी भी आतंकी साजिश से कहीं अधिक शक्तिशाली है।

पहलगाम की घटना के बाद, अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व स्तर तक मजबूत किया गया है। लगभग 5०,००० अर्ध सैनिक बलों की तैनाती, भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों का समन्वय, ड्रोन निगरानी, जीपीएस ट्रैकिंग जैसी आधुनिक तकनीकें, यह सब केवल सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास को और मजबूत करने के लिए है। यह दिखाता है कि सरकार और सुरक्षा बल

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए कटिबद्ध हैं। पहाड़ी बचाव दल और चिकित्सा सुविधाओं की व्यापक उपलब्धता भी यह सुनिश्चित करती है कि प्राकृतिक चुनौतियों का सामना भी पूरी तैयारी के साथ किया जा सके। यह अभूतपूर्व सुरक्षा घेरा आतंक के खिलाफ हमारी दृढ़ता का स्पष्ट संदेश है। हालांकि राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन और खुफिया तंत्र को भी और चौकस रहने की जरूरत है। दरअसल, सीमा पार से संचालित आतंकवादी संगठन और उनके आका लगातार जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने और लोगों के मन में डर पैदा करने की कोशिश करते रहे हैं। उनका उद्देश्य पवित्र यात्राओं को बाधित करना और धार्मिक सद्भाव को बिगाडऩा है, लेकिन अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का यह अथाह उत्साह और अटूट विश्वास उनकी सभी साजिशों पर भारी पड़ा है। यह यात्रा न केवल एक धार्मिक कर्तव्य का निर्वहन है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ एक मौन, फिर भी शक्तिशाली विरोध भी है। जब लाखों श्रद्धालु इतनी कड़ी सुरक्षा के बीच, विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए भी पवित्र गुफा की ओर बढ़ते हैं, तो यह आतंकवादियों और उनके समर्थकों को एक स्पष्ट संदेश देता है कि भारत के लोग न तो डरेंगे और न ही झुकेंगे। वे अपनी आस्था और अपने देश के प्रति प्रतिबद्ध हैं। यह यात्रा आतंकवादियों के 'नैरेटिव' को ध्वस्त करती है और दिखाती है कि जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल हो रही है और शांति की इच्छा हर भय से ऊपर है। अमरनाथ यात्रा 2०25 केवल तीर्थयात्रा नहीं, बल्कि भारत की अविचल आत्मा, अटूट आस्था और आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने की क्षमता का प्रतीक है। यह यात्रा साबित करती है कि आस्था की अग्नि और राष्ट्रीय एकता का बल किसी भी नापाक इरादे से कहीं अधिक शक्तिशाली है। जाहिर है बाबा बर्फानी के प्रति आस्था दरअसल आतंकवादियों को श्रद्धालुओं का करारा जवाब है कि आतंकवाद के आका भारतीयों के हौसलों को कभी नहीं डिगा पाएंगे।

खाई में गिरा टेंपो ट्रैवलर, एक की मौत एक गंभीर घायल

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। भतरोजखान क्षेत्र में आज सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक टेंपो ट्रैवलर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ ने मौके पर पहुच कर मृतक के शव को कब्जे में लेकर घायल को अस्पताल पहुंचाया जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार आज सुबह जिला नियंत्रण कक्ष, अल्मोड़ा द्वारा एसडीआरएफ टीम को सूचित करते हुए इस हादसे की जानकारी दी गयी। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसडीआरएफ पोस्ट भिकियासैंण से उपनिरीक्षक संतोष परिहार के नेतृत्व में टीम आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुई। हादसे के वक्त वाहन में दो लोग सवार थे। स्थानीय लोगों और जिला पुलिस की मदद से घायल सुरेश कुमार पुत्र बहादुर राम, निवासी दिल्ली को खाई से निकालकर अस्पताल भेजा गया। वहीं, मोहित कुमार पुत्र चंदन राम, निवासी तिमली, अल्मोड़ा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। टीम ने मृतक के शव को बरामद कर मुख्य मार्ग तक पहुंचाया और उसे जिला पुलिस के सुपुर्द किया। साथ ही, घटनास्थल पर पूरी सर्चिंग की गई ताकि किसी अन्य व्यक्ति के फंसे होने की संभावना को पूरी तरह खंगाला जा सके।

स्कूल का ताला तोड सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने स्कूल का ताला तोड वहां से पंखे, कुर्सियां व अन्य सामान चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जूनियर हाई स्कूल के प्रधानाचार्य दुर्गा चौहान ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि चोरों ने स्कूल का ताला तोड वहां से पांच पंखे, कुर्सियां, स्टूल व विज्ञान की पूरी किट चोरी कर ली है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मंशा देवी हादसा प्रकरण में मृतकों की संख्या पहुंची नौ

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। तीन दिन पूर्व मनसा देवी मंदिर मार्ग पर हुई भगदड़ में मरने वालों की संख्या अब नौ हो गयी है। आज एम्स में हादसे में घायल हुए एक और महिला ने दम तोड़ दिया है।

विदित हो कि बीते रविवार सुबह मनसा देवी मन्दिर पैदल मार्ग पर करंट लगने की अफवाह से अचानक भगदड़ मच गयी थी। हादसे में एक 12 साल के बालक सहित आठ लोगों की मौत हो गयी थी जबकि 30 लोग घायल हुए थे। जिनमें से कुछ घायलों की गम्भीर हालत को देखते हुए उन्हे एम्स में भर्ती कराया गया था। जिनमें से आज एक और महिला ने उपचार के दौरान एम्स ऋषिकेश में दम तोड़ दिया, जिस कारण अब मृतकों की संख्या का आंकड़ा नौ पहुंच गया है। मृतका का नाम फूलमती निवासी बाराबंकी उम्र 55 वर्ष बताया गया है।

बंदरों के आतंक से निजात दिलाये...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

महिलाओं एवं बच्चों के बीच खौफ का माहौल रहता है। उन्होने क्षेत्रीय वनाधिकारी, आशारोड़ी से मांग की है कि धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र सहित वन विभाग की सीमा से लगे क्षेत्रों तथा उपरोक्त वर्णित स्थानों से आम जनता को बंदरों के आतंक से निजात दिलाने हेतु आवश्यक कदम उठाये जांय तथा बंदरों की रोकथाम के लिए कडे उपाय किये जांय।

नकली दवाईयां बेचने वाले गैंग का एक और सदस्य गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। विभिन्न ब्रांडेड दवाई कंपनियों की जीवन रक्षक दवाईयों की हूबहू नकल कर उन्हे बाजार में बेचने वाले गैंग के एक और सदस्य को एसटीएफ द्वारा जिरकपुर पंजाब से गिरफ्तार कर लिया गया है। एसटीएफ की इस कार्यवाही में अब तक इस गैंग के पांच सदस्य गिरफ्तार किये जा चुके है।

एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि बीते 1 जून को प्रतिष्ठित दवाई कम्पनियों के नकली रैपर व नकली आउटर बॉक्स, लेबल एंव क्यूआर कोड भारी मात्रा के साथ एक व्यक्ति संतोष कुमार को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। प्रकरण की गम्भीरता देखते हुए उच्चाधिकारियों द्वारा इस मुकदमें की जांच एसटीएफ को स्थानांतरित की गयी।

एसटीएफ द्वारा इस मुकदमें में पूर्व में 4 आरोपियों संतोष कुमार, नवीन बंसल, आदित्य काला व देवी दयाल गुप्ता को गिरफ्तार किया जा चुका है। बताया कि इस मुकदमें में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी नवीन बंसल द्वारा पूछताछ में बताया था कि मैं ब्रांडेड कम्पनियों की नकली दवाईयों को तैयार कर उनको बाजार में विक्रय करने के लिए पंचकुला हरियाणा में स्थित नोबल फार्मेसी/लाईफ साईस मालिक पंकज शर्मा नाम के मेडिकल स्टोर पर भेजता हूँ, जिसके उपरान्त एसटीएफ टीम द्वारा पंकज शर्मा

जिरकपुर पंजाब से मेडिकल स्टोर के मालिक को किया गिरफ्तार, अब तक गैंग के पांच सदस्य पकड़े जा चुके हैं

की तलाश शुरू कर दी गयी। कड़ी मशक्कत के बाद एसटीएफ द्वारा पंचकुला हरियाणा में स्थित नोबल फार्मेसी/लाईफ साईस के मालिक पंकज शर्मा पुत्र स्व. अशोक शर्मा निवासी पंचकुला हरियाणा हाल निवासी न्यू जनरेशन अपार्टमेंट थाना ढाकोली जिरकपुर पंजाब को बीती रात जिरकपुर पंजाब से गिरफ्तार किया गया है। जिसने पूछताछ में बताया कि मैं ब्रांडेड दवाई कम्पनियों की नकली दवाई राजस्थान के रहने वाले नवीन बंसल व अन्य व्यक्तियों से खरीदता था। उन दवाईयों को मैं नोयडा, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब व हरियाणा आदि राज्यों में मार्किट में बेच देता हूँ और नकली दवाईयों को मैं अपने पंचकुला स्थित मेडिकल स्टोरों पर भी विक्रय करता हूँ। मैं अपनी नोबल फार्मेसी के नाम पर रजिस्टर्ड एम्बूलेंस में नकली दवाईयां भरकर नोयडा, भिवाडी राजस्थान, दिल्ली, पंजाब व हरियाणा आदि राज्यों में स्थित मेडिकल स्टोरों पर इसलिए भेजता था कि रास्ते में पुलिस या ड्रग्स विभाग को कोई शक न हो और दवाईयां पकड में न आये। इन नकली दवाईयों को विक्रय करने पर मुझे किसी को कोई टैक्स भी नहीं देना पडता था और भारी मुनाफा होता है।

सेना के जवानों की बस पलटी, कई जवान घायल

हमारे संवाददाता

चमोली। बदरीनाथ हाईवे पर आर्मी के जवानों को ले जा रही बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में जवानों को हल्की चोटें आई हैं, सभी जवान सुरक्षित हैं।

जानकारी के अनुसार बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर आज सुबह आर्मी के जवानों को लेकर जा रही एक बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हालांकि चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए बस को पहाड़ी की तरफ मोड़ दिया। नहीं तो यह हादसा बड़ा रूप ले सकता था। पहाड़ी के दूसरी तरफ गहरी खाई थी। बताया जा रहा है कि यह सभी जवान बस से जोशीमठ से रायवाला जा रहे थे।

बताया जा रहा है कि आज सुबह जोशीमठ से चली सेना के जवानों की यह बस अभी सोनल के पास ही पहुंची थी कि तभी अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। इस हादसे में कुछ जवानों को हल्की चोटें आई हैं। बस पलटने की सूचना वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। जिस पर पुलिस प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंची। पुलिस प्रशासन एवं स्थानीय लोगों की मदद से सभी जवानों को बस से सुरक्षित बाहर निकाला गया। जिन जवानों को चोट लगी है उनको उप जिला चिकित्सालय कर्णप्रयाग भेजा गया है। वहां पर फिलहाल सभी चोटिल जवानों का उपचार किया जा रहा है।

महिला अपराधों से बचाव की जागरुकता के लिए कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। सामाजिक संस्था फोरगिवनेस फाउंडेशन की ओर से कार्यक्षेत्र में यौन उत्पीडन और महिला अपराधों से बचाव की जागरूकता के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आज यहां कार्यक्षेत्र में यौन उत्पीड़न और महिला अपराधों से बचाव की जागरूकता अभियान की अपनी मुहिम के अंतर्गत सामाजिक संस्था फोरगिवनेस फाउंडेशन सोसाइटी ने मानव संसाधन के पेशेवरों के लिए कार्यशाला का आयोजन जी एम एस रोड पर स्थित एक होटल में किया।

इस कार्यशाला में पॉश मास्टर ट्रेनर और मनोवैज्ञानिक समाजसेवी डॉ. पवन शर्मा (द साइकेडेलिक) ने बड़े रोचक और प्रायोगिक तरीके से उदाहरणों के साथ प्रतिभागियों को कार्यक्षेत्र में यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के बारे में जानकारी दी और बचाव के कई अनूठे और अत्यंत प्रभावी तरीकों के बारे में जानकारी दी। प्रतिभागियों ने उत्साहित हो कर जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए कई सवाल पूछे, जिन्हें डॉ. पवन शर्मा ने संतुष्टिदायक जवाबों के साथ समझाया।

डॉ. पवन शर्मा ने कहा कि प्रतिष्ठान इस कानून को गम्भीरता से नहीं ले रहे हैं और कानून के प्रावधानों को लागू करने के लिए ढिलाई बरत रहे हैं जिससे महिला कर्मचारियों को सुरक्षित कार्यक्षेत्र उपलब्ध होने में कठिनाई होती है। सर्वेक्षण के मुताबिक हर दो मे से एक महिला कर्मचारी किसी न किसी रूप में यौन उत्पीड़न का शिकार हो जाती है। इस कानून के प्रावधानों को सही कार्यक्षेत्र में लागू करने के लिए फोरगिवनेस फाउंडेशन सोसाइटी निशुल्क परामर्श और मार्गदर्शन की सुविधा उपलब्ध कराती है। इस मौके पर भूमिका भट्ट, सुनिष्ठा सिंह, एडवोकेट कुलदीप भारद्वाज और पूनम नौडियाल ने भी यौन उत्पीड़न से बचने के लिए कई प्रभावी तरीके बताये।

पंचायत चुनावः कल आएंगे नतीजे

दो मतदान केंद्रो पर आज हो रहा है मतदान

विशेष संवाददाता

देहरादून। चुनाव आयोग और प्रशासन द्वारा कल होने वाली मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। 12 जिलों में दो चरणों में कराए गये मतदान के बाद अब प्रत्याशियों के इंतजार की घड़ियां समाप्त होने वाली है। कल सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू होगी और नतीजा कल शाम तक आ जाएंगे। विकासखंड स्तर पर होने वाली मतगणना के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है तथा किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं।

लंबे इंतजार के बाद छोटी सरकार के लिए चुनाव को लेकर न सिर्फ प्रत्याशियों में बल्कि मतदाताओं में भी भारी उत्साह देखा गया। 10 जिलों के 89 विकास खण्डो में कल होने वाली मतगणना

●बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं प्रत्याशी

●मतगणना के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध

के लिए प्रशासन स्तर पर कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं जिसमें किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए 9 हजार से अधिक पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इस चुनाव में निर्विरोध चुने गए प्रत्याशियों के अलावा कुल 32582 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे जिनके भाग्य का फैसला कल मतगणना के साथ होगा।

सभी मतगणना स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कोई भी प्रत्याशी या उनके समर्थक मतगणना केंद्र के अंदर नहीं जाएगा। मतगणना अधिकारी और कर्मचारियों के अलावा अन्य सभी के लिए मतगणना स्थल पर प्रवेश पर पूर्णतया रोक रहेगी। प्रत्याशियों को भी कल होने वाली मतगणना का बेसब्री से इंतजार है। विजयी प्रत्याशियों को चुनाव अधिकारियों द्वारा जीत का प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

उधर दो जिलों के दो मतदान केन्द्रो पर गड़बड़ी की खबरों के बाद अल्मोड़ा की एक और उधम सिंह नगर की एक सीट पर आज पुनः मतदान कराया जा रहा है। प्राप्त समाचार के अनुसार यहां दोपहर 3 बजे तक उधम सिंह नगर में 50 तथा अल्मोड़ा में 45 फीसदी तक मतदान होने की खबरें हैं।

पड़ोसी की हत्या कर हुआ फरार, तलाश शुरू

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मामूली विवाद के भयावह रूप लेने के चलते पड़ोसी ने पड़ोसी की ही गला दबाकर हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। हत्या की यह वारदात स्कूल में एक छात्र की मां को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के चलते अंजाम दी गयी है।

मामला रुड़की गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के सुभाष नगर का है। जानकारी के अनुसार गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के राजेंद्र नगर निवासी अजय माहेश्वरी के पड़ोस में अमित शर्मा का मकान है। इन दोनों के बेटे एक नामी स्कूल के छात्र है। किसी ने अमित शर्मा के बेटे की क्लास में उसकी माँ को लेकर आपत्तिजनक बाते कह दी। इसे लेकर छात्र अमित के बेटे की मजाक उड़ाने लगे। स्कूल से घर आकर बेटे ने पिता अमित शर्मा को यह बात बताई। अमित शर्मा को शक था कि पड़ोसी के बेटे ने यह बात उड़ाई है। जिस पर बीती देर रात अमित शर्मा पत्नी और बेटे के साथ अजय महेश्वरी के घर पहुँच गए। यहां पर इनके बीच इस बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि अमित शर्मा ने अजय महेश्वरी का गला दबा कर उसे मौत के घाट उतार दिया। सूचना मिलने पर गंगनहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक आरके सकलानी ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में मृतक अजय माहेश्वरी के बेटे नैतिक माहेश्वरी की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं आरोपियों की तलाश जारी है।

हाथियों के झुंड ने पिक-अप वाहन पलटा, 2 घायल

हमारे संवाददाता

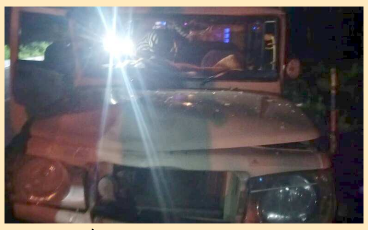

देहरादून। डोईवाला क्षेत्रांर्तगत लच्छीवाला के जंगल में बीती रात हाथियों के झुंड ने एक पिक-अप वाहन पर हमला बोल दिया। जिसके चलते वाहन में सवार दो व्यक्ति घायल हुए हैं। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार बीती रात डोईवाला के लच्छीवाला जंगल में हाथियों के एक झुंड ने सड़क से गुजर रहे एक वाहन पर हमला बोल दिया। इस हमले में वाहन में सवार दो व्यक्ति घायल हुए हैं जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि यह घटना बीती रात लगभग 11.15 बजे लच्छीवाला जंगल के मणि माई मंदिर से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर देहरादून की दिशा में घटित हुई है। जिसमें लगभग पांच हाथियों का एक झुंड सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक सफेद रंग के महिंद्रा पिक-अप वाहन पर हाथियों के झुण्ड ने हमला बोल दिया। जिसके चलते वाहन पलट गया। बताया जा रहा है कि हाथियों के झुण्ड के जाने के बाद राहगीरों की मदद से महिंद्रा पिक-अप वाहन को सीधा किया गया। जिसमें दो लोग घायल मिले है। जिनके नाम सुखिया राम व दिनेश बताये जा रहे है। हाईवे एंबुलेंस के माध्यम से इन दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोईवाला पहुंचाया गया। जहां उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया है।

डीएम की पहल पर 3 गरीब बच्चों का हुआ छात्रावास में दाखिला

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल की पहल पर एक लाचार परिवार के तीन बच्चों का छात्रावास में दाखिला दिलाकर परिवार की नैया पार लगा दी।

जनता दर्शन में गरीब चंदुल ने जिलाधिकारी सविन बंसल से अपनी फरियाद लगाते हुए बताया कि उनके तीन बच्चे हैं राहुल कुमार कक्षा-7, विकास कक्षा-5, व आकाश कक्षा-3 में सरकारी स्कूल में पढ़ रहे थे। पति का पांव कटा हुआ है तथा वह काम काज करने में असमर्थ है। वह स्वयं लोगों के घरों/कोठियों में जाकर चौका-बर्तन करके अपना व अपने गरीब बच्चों का पालन पोषण करती है। स्वयं बीमार रहती है, उसके पांव मे सूजन आ जाती है जिससे काम-काज करने में असमर्थ है। उन्होंने डीएम से बच्चों की पढाई के लिये आवासीय स्कूल में दाखिला दिलाने का अनुरोध किया ताकि उनकी खराब आर्थिक स्थिति का असर उनके बच्चों की पढाई पर न पड़े।

डीएम के निर्देश पर प्रशासन की टीम ने सक्रियता से कार्य करते हुए बच्चों का दाखिला नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय छात्रावास में करा दिया है। चंदुल के बड़े बेटे राहुल कुमार कक्षा-7 को नेताजी सुभाषचन्द्र बोस आवासीय छात्रवास जस्सोवाला विकासनगर, मजले व छोटे बेटे विकास कक्षा-5. व आकाश कक्षा-3 को नेताजी सुभाषचन्द्र बोस आवासीय छात्रवास कौलागढ में दाखिला दिलाया गया है।

असहाय गरीब महिला 21 जुलाई के जनदर्शन में अपनी पीड़ा डीएम को सुनाई थी। चंदुल के पति अपाहिज है वह स्वंय भी बीमार रहती है। घरों में चौका बर्तन कर गुजारा करती है। अपाहिज बेरोजगार पति कमाई का कोई साधन न होने तथा आर्थिक दशा खराब होने से बच्चों की पढाई का डर सता रहा है ऐसे वक्त पर जिला प्रशासन ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए चंदुल के बच्चों का दाखिला छात्रवास विद्यालय में दिलाकर एक और परिवार के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी है।

धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण को बनेगा 'मास्टर प्लान'

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को उत्तराखंड के प्रमुख तीर्थस्थलों पर आने वाले यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए विस्तृत मास्टर प्लान बनाने के निर्देश दिए थे।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में प्रमुख सचिव, आरके सुधांशु ने सचिव पर्यटन को सभी धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण, प्रवेश-निकास व्यवस्था सहित अन्य जरूरी सुविधाएं जुटाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करने के आदेश जारी कर दिए हैं। गत 27 जुलाई को हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में हुई दुखद दुर्घटना के तत्काल बाद सीएम पुष्कर सिंह धामी ने मौका मुआयना कर, स्थिति का जायजा लिया था। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उत्तराखंड के प्रमुख तीर्थस्थलों पर आने वाले यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए विस्तृत मास्टर प्लान बनाने के निर्देश दिए थे।

इसी क्रम में मंगलवार को प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री आरके सुधांशु ने सचिव पर्यटन को आदेश जारी करते हुए, जल्द से जल्द इस दिशा में कार्रवाई शुरु करने के निर्देश दिए है। इसमें खासकर ऐसे तीर्थ स्थलों को शामिल किया जाएगा, जहां ज्यादा तीर्थ यात्री आते हैं। मास्टर प्लान के निर्माण और इसके क्रियान्वयन में दोनों मंडलों के मंडलायुक्तों का विशेष तौर पर सहयोग लेने के लिए कहा गया है। साथ ही स्पष्ट आदेश दिए गए हैं कि यदि तीर्थ स्थलों के मार्गों पर अवैध अतिक्रमण हुआ है तो उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हटाया जाए। उत्तराखंड में प्रति वर्ष करोड़ों तीर्थ यात्री आते हैं। इसलिए तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए सभी तीर्थ स्थलों का मास्टर प्लान बनाया जाएगा। तीर्थ स्थलों के आस पास जनसुविधाएं विकसित करते हुए, यात्रा को ज्यादा सुव्यवस्थित किया जाएगा।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।